

श्रक्ता अःरण

EXTRAORDINARY

भाग II-- जण्ड 3--- उपलब्ध (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

त्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

स० 347

नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 22, 1972/ब्रावाह 31, 1894

No. 347

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 22, 1974 ASADHA 31, 1894

इस आग में भिन्न पुट्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रका जा सह ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 22nd July 1972

- S.O. 502(E)/15/IDRA/72.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as M/s Jyoti Weaving Factory (P) Ltd., Calcutta, for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.
- 2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

(1) Shri T. P. Chakravarti, Managing Director, Annapurna Cotton Mills Ltd., R 10, New Howrah Approach Road, Calcutta—1.

Members

- (2) Shri Surendra Kumar, Senior Accounts Officer, Office of the Regional Director, Company Law Board, Calcutta.
- (3) Shri A. Banerjee, Powerloom Adviser, Cottage and Small Scale Industries Directorate, Government of West Bengal, Calcutta.
- (4) Shri B. M. Saxena, Manager, Industrial Reconstruction Corporation of India, 19, Netaji Subhash Road, Calcutta—1.

Member-Secretary

(5) Shri R. K. Rakshit, Director, Textile Commissioner's Office, Bombay.

[No. 3/12/72-CUC].

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secv.

श्रीशोगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 22 ज्लाई, 1972

का॰ ग्रा॰ 502 (ग्र)/15/प्राई० खो॰ ग्रार॰ ए०/72.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि मैसर्स ज्योति वीविंग फैक्टरी (प्रा॰) लिमिटेड, कलकत्ता नामक श्रोद्योगिक उपक्रम में निर्मित सूती बस्त्रों के संबंध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है जिसके लिए विद्यमान श्राधिक स्थितियों को देखने हुए कोई श्रोचित्य नहीं है।

श्रतः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्निलिखित त्यिक्तियों के एक निकाय की एतद्वारा नियुक्ति करती है:—

- श्री टी० पी० चक्रवर्ती,
 प्रबन्ध निदेशक,
 ग्रन्नपूणी काटन मिल्स लि०,
 ग्रार-10, न्यृ हावड़ा एप्रोच रोड,
 कलकत्ता--1 ।
- श्री सुरेन्द्र कुमार, वरिष्ठ लेखा ग्रधिकारी, सदस्य क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कस्पनी विधि बोर्ड, कलकता।
- श्री ए० बनर्जी, गक्तिचालिन करघा सलाहकार, सदस्य कुटीर तथा लघु उद्योग निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता ।
- श्री बी० एम० सक्सेना, प्रबन्धक, सदस्य भारतीय ग्रौद्योगिक पुर्नीनर्माण निगम,
 19, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता--1।
- श्री भ्रार० के० रक्षित, निदेशक,
 वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय, बम्बई।

सवस्य सचिव

ग्रध्यक्ष

[सं० 3/12/72-सी० यू० सी०] के० एस० भटनागर, संयुक्त सचिव।